मूल्य 1 रु.

वर्षः 12 - अंक : 195, मुंबई, सोमवार, 12 सितंबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

# मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

## मुंबई एयरपोर्ट से 5.38 करोड़ का

# सोना बरामद

## बेल्ट में छुपाकर रखा था 12 किलो सोना!

**मुंबई।** कस्टम विभाग ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट में बड़ी कार्रवाई करते हुए 12 किलो सोना जब्त किया है। जब्त किए गए सोने की कीमत 5 करोड़ से ज्यादा है। कस्टम अधिकारियों ने इस मामले में कुछ छह लोगों को पकड़ा है। गोल्ड की स्मगलिंग करने वाले इन विदेशी नागरिकों को अरेस्ट कर लिया गया है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

### गोल्ड स्मगलिंग का काम था, मुख्य आरोपी सूडान का

मुख्य आरोपी सूडान का नागरिक है। कस्टम विभाग के अधिकारियों के मुताबिक आरोपी ने अपने पास सोना रखे होने की बात जानबूझ कर छुपाई थी। सूडानी नागरिक के साथ अरेस्ट किए गए सभी नागरिकों से पूछताछ कर यह जानने की कोशिश की जा रही है कि यह सोना कहां से लाया गया था? इसे कहां ले जाया जा रहा था? इस पूरे मामले का सूत्रधार कौन है? इन सभी बातों को जानने और समझने की कोशिशें जारी हैं।

## दस दिवसीय गणेश उत्सव के दौरान मुंबई में 1.93 लाख मूर्तियों का विसर्जन किया गया: बीएमसी

# कोरोना के दो साल बाद गणेश उत्सव में दिखा जोश

**मुंबई हलचल/संवाददाता**

**मुंबई।** बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने कहा कि 10 दिवसीय गणेश उत्सव के दौरान मुंबई में 1.93 लाख से अधिक मूर्तियों का विसर्जन किया गया। नगर निकाय ने कहा कि इस साल देवी गौरी की 6,795 मूर्तियों सहित कुल 1,93,062 मूर्तियों का विसर्जन शहर में किया गया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

### महाराष्ट्र में गणपति विसर्जन के दौरान 20 लोगों की मौत, सबसे ज्यादा 14 लोग डूबे

**मेयर के बंगले पर पथराव:** जलगांव में गणेश प्रतिमा के विसर्जन के दौरान लोगों के एक समूह ने मेयर के बंगले पर पथराव किया। पुलिस ने बताया कि मुंबई में प्रतिमा विसर्जन कार्यक्रम शांतिपूर्वक संपन्न हो गया और किसी भी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। मुंबई पुलिस ने कहा कि प्रत्येक साल की तरह इस साल भी हमें श्रद्धालुओं की सेवा करने का मौका मिला।

# महाराष्ट्र सरकार पर 12000 करोड़ रुपए का जुर्माना

## नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल का बड़ा फैसला

**मुंबई हलचल / संवाददाता**

**मुंबई।** महाराष्ट्र सरकार पर 12 हजार करोड़ रुपए का जुर्माना लगा है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने यह महाराष्ट्र की राज्य सरकार पर जुर्माना ठोका है। महाराष्ट्र की ओर से पर्यावरण संवर्धन के लिए कोई कोशिश नहीं की जा रही है, इसलिए 12 हजार करोड़ रुपए का जुर्माना भरने को कहा गया है। हरित खंडपीठ के मुताबिक महाराष्ट्र सरकार सूखे और गीले कचरे का सही तरह से व्यवस्थापन नहीं कर पा रही है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

# धर्म गुरु शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती का निधन

## लंबे वक्त से थे बीमार

**नई दिल्ली।** हिंदुओं के सबसे बड़े धर्म गुरू शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती का निधन हो गया है। 99 साल की उम्र में शंकराचार्य का निधन हुआ है। जगद्गुरु शंकराचार्य श्री स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती दो मठों (द्वारका एवं ज्योतिर्मठ) के शंकराचार्य थे। परमहंसी गंगा आश्रम झोतेश्वर जिला नरसिंहपुर में ली दोपहर 3.30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

## हमारी बात

# सेनाओं की वापसी

पूर्वी लद्दाख में एक इलाके से चीन के पीछे हटने की खबर किसी खुशखबरी से कम नहीं है, लेकिन क्या हम वाकई समग्र सीमा समाधान की ओर अपेक्षित गति से बढ़ रहे हैं? भारत ने शुक्रवार को कहा कि हॉट प्रिरंग्स में भारतीय और चीनी सैनिकों की वापसी 12 सितंबर तक पूरी हो जाएगी और दोनों पक्ष वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शेष मुद्दों को हल करने के लिए बातचीत को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। यह देखने वाली बात होगी कि क्या चीन भी समान भाव से पीछे हट रहा है? घुसपैठ तो उसी ओर से हुई थी। सीमा पर शांति के लिए उसका पीछे हटना ज्यादा जरूरी है। खैर, दोनों देशों के सैन्य कमांडरों ने यह संयुक्त बयान जारी किया है, तो इसके निहितार्थ को समझा जा सकता है। बताया जा रहा है कि पीछे हटने पर 17 जुलाई को ही सैन्य कमांडर स्तरीय 16वीं बैठक में सहमति बन गई थी, लेकिन जब जमीनी स्तर पर दोनों देशों की सेनाओं ने पीछे हटना शुरू किया, तब सबको बताया गया। सहमति के अनुरूप गोगरा-हॉट प्रिरंग्स के क्षेत्र से सैनिक हटेंगे, इसे पेट्रोलिंग प्वॉइंट-15 या पीपी-15 भी कहा जाता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया है कि पीछे हटने की प्रक्रिया 8 सितंबर को शुरू हुई है और 12 सितंबर तक चलेगी। पीपी-15 पर चल रहे गतिरोध का अंत सकारात्मक संकेत है। गलवान घाटी, पैंगोंग झील के कुछ इलाकों से सेनाओं की वापसी हो गई है। सैन्य कमांडर स्तर की वार्ता पूरी तरह से नाकाम नहीं कही जा सकती। हालांकि, इस नई सूचना के आने से पहले तक यही चर्चा थी कि सैन्य कमांडर स्तरीय वार्ता से कुछ खास लाभ नहीं है और चीन हठ पर अड़ा हुआ है। यहां तक कहा जा रहा था कि समाधान के लिए मंत्री या कूटनीतिक अधिकारी स्तरीय वार्ता शुरू होनी चाहिए। खैर, अच्छी बात है कि वार्ता में खर्च हुआ समय और संसाधन बेकार नहीं गया। अगर चीन वाकई सीमा पर शांति बहाल करने का इच्छुक है, तो उसे समग्र समाधान की दिशा में बढ़ना चाहिए। भारत सीमा विवाद का यथोचित समाधान चाहता है, उसकी मंशा कभी भी घुसपैठ या किसी की जमीन हड़पने की नहीं रही है और न हम ऐसा कोई दावा करते हैं। हमारे लिए जरूरी है कि हम अपनी भूमि की रक्षा करें। जबकि सच यह है कि चीन हमें धीरे-धीरे खुरचने की नीति के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत को आगे की वाताओं में अकाट्य तर्क और तथ्य के साथ चीन को पीछे हटने के लिए मजबूर करना चाहिए। पड़ोसी देश को अगर अपनी गलती का एहसास नहीं है, तो हमें पूरी सक्रियता के साथ उसे समाधान की दिशा में ले जाने की कोशिश करनी चाहिए। एक पहलू यह भी है कि अगले सप्ताह भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात संभावित है। चीन को ठीक से पता है कि भारत को किसी भी आर्थिक क्षेत्रीय सहयोग संगठन में शामिल करने के लिए सीमा समाधान कितना जरूरी है। आज भारत जैसे विशाल देश को चीन नजरअंदाज नहीं कर सकता, उसे यह भी पता है कि भारत के साथ रहने में उसे हर प्रकार से फायदा है। अतः चीन को अपनी नीतियों में परिवर्तन करना चाहिए। उसकी मंशा स्पष्ट होनी चाहिए और भारत-चीन सीमा का स्थायी समाधान ठीक वैसे ही होना चाहिए, जैसे रूस-चीन सीमा का हुआ। भारत को छोटे-छोटे समाधानों पर अभिभूत होने के बजाय अंतिम और संपूर्ण समाधान के लिए प्रयासरत होना चाहिए। आने वाली तमाम उच्चस्तरीय मुलाकातों में भी भारत को अपनी बात पुरजोर रखनी चाहिए।

# टूटा हुआ शीशा क्या जुड़ सकता है?

**राहुल गांधी** नादान हैं। नासमझ और पप्पू हैं। तभी वे भारत जोड़ने की फिजूल बात कर रहे हैं। वे आठ साल से मोदी राज में हैं फिर भी उन्हें न्यू इंडिया की रियलिटी और हिंदुओं की चाहना नहीं समझ आई। उन्हें समझना चाहिए कि उनके पूर्वजों और कांग्रेस ने 75 साल बरबाद किए जो देश को एक बनाना चाहा। हिंदू-मुसलमानों को जोड़ना चाहा। जातियों-धर्म के भेद को मिटाना चाहा। आधुनिकता के पश्चिमी आइडिया में कलियुगी हिंदुओं की गोबर संस्कृति को नहीं अपनाया। उन्होंने भारत बनाया। न कि बिना मुसलमान, बिना सेकुलर, बिना चरित्र, बिना इंसानियत और बिना ज्ञान-विज्ञान तथा आधुनिकता का 'न्यू इंडिया' सोचा। नेहरू, इंदिरा, राजीव, नरसिंह राव, मनमोहन सिंह जैसे कांग्रेसी प्रधानमंत्रियों ने हिंदुओं से धोखा किया। उन्हें दिलों को जोड़ने के झूठं मंत्र दिए। पानीपत की तीसरी लड़ाई बनवा कर भारत का शुद्धिकरण नहीं कराया। उलटे मुसलमानों, पाकिस्तानियों, गद्दारों, सेकुलरों, वामपंथियों की टुकड़े-टुकड़ां गैंग को सिर पर बैठाया! हां, तभी तो हिंदू भक्तों को अब प्राप्त है उनके मन के भगवान नरेंद्र मोदी! वे भगवान जिनकी छाती छप्पन इंची है। जिनमें भारत के अशोक स्तंभ में खूंखार शेर की आत्मा प्रवेश कराने की ताकत है। जो सर्वज्ञ है। जिनके हाथों में वह सुदर्शन चक्र है, जिससे विधर्मियों की, जयचंदों की, उन लोगों, उन दिमागों की गरदनें कटनी हैं जो पचहतर सालों से हिंदुओं को भटकाते आ रहे हैं। वे लोग राजनीति में ईमानदारी, शुचिता, चरित्र, नैतिक मूल्यों को लिवाने के पाठ पढ़ाए। कलियुगी हिंदुओं को सांप-सपेरों की जहालत से बाहर निकाला और इस कारण उन्हें विश्वगुरू नहीं बनने दिया। ऐसे लोगों को मिटाना ही नरेंद्र मोदी और उनके भक्तों का संकल्प है। जहरीले सांपों को खत्म करना है। पानीपत की तीसरी लड़ाई के लिए देश को तैयार करना है। उन गद्दार हिंदुओं के मनोबल को तोड़ना है जो बुद्धि बघारते हैं, भविष्य की चिंता करते हैं। जो भक्त बनने की बजाय भगवान पर ऊंगली उठाते हैं। जो भय और भूख की जगह निर्भयता और पुरुषार्थ को नागरिक जीवन की अनिवार्यता बताते हैं। जो आरती, चरण वंदना और भगवानजी के दरवाजे मत्था नहीं टेके रहते। जो नास्तिक हैं। पहले ऐसे लोगों को भगाना है। पाकिस्तान भेजना है। मारना है। उनके पीछे लंगूरों, ट्रोल सेना को, सीबीआई-ईडी-इनकम टैक्स को छोड़ देना है, इनसे उन्हें नुचवाना है। यहीं राष्ट्र धर्म है, राष्ट्र कर्तव्य है। इसी से फिर कर्तव्य पथ पर लाठी लिए, उस्तरे लिए, नगाड़े लिए लंगूरों, ट्रोल सेना, चारणों और गोदी मीडिया के पथ संचलन का भारत वैभव है। हिंदुओं की आन, बान और शान है। भारत तभी बनेगा, हिंदुओं का मनोरथ तभी पूरा होगा जब भगवानश्री मोदी का फरसा भारत के कोने-कोने में बसे-छुपे विधर्मियों-विरोधियों का संहार करेग। तभी भारत एकसूत्र होगा। उनका न्यू इंडिया साकार होगा। हिंदू धर्म की गाथा में नरेंद्र मोदी हिंदु धर्म के रियल कल्कि अवतार होंगे। हिंदुओं की विश्व गुरूता बनेगी। सोचें, ऐसा है मोदीजी का महान कर्तव्य पथ! भक्त हिंदुओं का परिवर्तनकारी काल।

जबकि 'पप्पू' राहुल गांधी क्या बात कर रहे हैं? केरल से कन्याकुमारी की पदयात्रा करके लोगों से कह रहे हैं भारत जोड़ो! कैसे नासमझ हैं राहुल गांधी! तभी कांग्रेसियों समझो। जरा सीखो नरेंद्र मोदी और अमित शाह की पाठशाला से। अपनी पुरानी भूले सुधारो। संस्कारों को छोड़ो। बड़ों का मान-सम्मान, कायदे-कानून छोड़ो। बुलडोजर की राजनीति करो। समझो कि लोकतंत्र हिंदुओं के लिए खरीदने और बिकने की एक हाट है। दलबदल, तोड़फोड़ से सत्ता पाना असली चमत्कारी नुस्खा है। लोकतंत्र दुहने की गाय है। नागरिकों को मूर्ख बनाने का स्वांग है। हां, समझें कि तोड़ेंगे तो वोट पाएंगे। सत्ता पाएंगे। पहले तोड़ो, खरीदों, मारो, गालियां दो, प्रताड़ित करो, डंडा दिखाओ तभी तो कांग्रेस भी जिंदा हो सकेगी।? भारत भूमि को पहले शुद्ध होना है। पहले नरबली चढ़ानी है। गालियां देनी हैं, ट्रोल करना है, बुद्धि का हरण करना है। लोगों को बेजुबान भक्त बनाना है। विधर्मियों-विरोधियों की छाती पर मूंग दलना है। उन्हें भगाना है। तोड़ना है तभी तो पानीपत की तीसरी लड़ाई का सपना साकार होगा। कर्तव्य पथ का उसका पथ संचलन बनेगा।

इसलिए राहुल गांधी छोड़ो जोड़ने की बात। वक्त तोड़ने, मारने, खत्म करने, खरीदने का है। तोड़ना है, खरीदना है, डराना है 140 करोड़ लोगों के दिल-दिमाग को। देखा नहीं दो दिन पहले ही उज्जैन में महाकाल मंदिर से अभिनेता रणबीर कपूर-आलिया भट्ट को कैसे नकली हिंदू करार करके भगाया। यहीं है नव निर्माण। ऐसे ही भारत का, गद्दार हिंदुओं का शुद्धिकरण होगा। पिछले आठ सालों में बॉलीवुड के खान टूटे, कपूर भी टूट गए होंगे और न जाने कितनों पर सुदर्शन चक्र चलना और बाकी है। इस सबसे है न्यू इंडिया निर्माण। तोड़ना है राष्ट्रधर्म। बुलडोजर है राष्ट्रकर्म। तभी फिल्म, कला-साहित्य-संस्कृति पर कैसे बुलडोजर चल रहे हैं। खान-पान पर विभाजन तो असली बनाम नकली हिंदू, देशद्रोही बनाम देशभक्त, हिंदू बनाम सेकुलर में बांटने और तोड़ने का दिन-प्रतिदिन का कैलेंडर। कभी लोकतंत्र पर हथौड़ा। कभी वह खरीद फरोख्त की मंडी तो कभी कानून-कायदों-संस्कार को खत्म करने का औजार। सत्ता संस्थाओं की ईमानदारी और उनका चरित्र तोड़ते हुए तो मीडिया को तोड़ते और गुलाम बनाते हुए। इस सबके बदले में भक्तों के थोक में वोट। इसलिए तोड़ना है आज और भविष्य का राष्ट्रवादी हिंदू मंत्र। इसलिए राहुल गांधी जाने लें कि वे नाकाम होंगे। न वे लोगों के दिल जोड़ सकेंगे और न मोदी-शाह का तोड़ने का संकल्प खत्म होगा! भारत का भविष्य तय है। लगेंगे देश के कोने-कोने, जिले-जिले में पानीपत की तीसरी लड़ाई के रण नारे। राहुल गांधी जान लें कि लोगों के दिल-दिमाग में इसकी स्क्रिप्ट, एक्शन सबकी तैयारियां हैं।

# टूटा हुआ शीशा क्या जुड़ सकता है?

देश क्या होता है, इसे भक्त नहीं समझ सकते हैं। इतिहास और हिंदू का सत्य है कि वह हमेशा अपने आपको भगवान के अवतार राजा के सुपुर्द किए रहा है। कलियुग ने उसकी बुद्धि को ऐसा भ्रष्ट किया है कि सोचने-समझने की बेसिक चेतना भी नहीं। 1962 में चीन ने हमला बोल भारत की जमीन कब्जाई तब भी हिंदू का भगवान नेहरू से मोहभंग नहीं हुआ। सन् 2020 में चीन वापिस लद्दाख में दादागिरी कर भारतीय क्षेत्र में घुसा तब भी जनता मानने को तैयार नहीं है कि चीन ने कब्जा किया है। इसलिए क्योंकि भगवानजी मोदी कह रहे हैं कि चीन घुसा ही नहीं। ऐसे ही चीन का सत्य है कि वह भारत को दुह रहा है। भारत के कारोबार से उसके कल-कारखाने अमीर बन रहे हैं, जबकि भारत आर्थिक तौर पर गुलाम होता हुआ है मगर किस भक्त में इसकी चेतना है? ऐसी दर्जनों बातें गिनाई जा सकती हैं, जो पिछले आठ वर्षों में भारत के गंवाने, टूटने और अंततः गृहयुद्ध की और बढ़ने की झांकियां हैं। लेकिन हिंदू की कलियुगी भक्ति की आदत से ब्रेनवाश ऐसा है जो सामने शीशा टूटा हुआ हुआ है मगर उसमें भी न्यू इंडिया झिलमिलाता देख रहा है। 140 करोड़ लोगों के कंगले होते जाने की रियलिटी के बावजूद प्रधानमंत्री के मुंह से आर्थिकी के पांचवें नंबर की हो जाने की बात सुन रहा है। या दिल्ली की एक सड़क को नया बनाने का मामूली काम हिंदुओं के लिए मानों स्वर्ग का रास्ता!

इन बातों और चंद जुमलों से परमानंद अवस्था के भक्त गण आज की रियलिटी है। ठीक विपरीत सत्ता मंदिर से दूर की रियलिटी क्या है? पहली बात कश्मीर घाटी लें या केरल या नॉर्थ ईस्ट या उत्तर भारत बनाम दक्षिण भारत सब तरफ लोगों के दिल-दिमाग में रिश्तों के शीशे टूटे हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर



# आशना अपार्टमेंट के लोगों ने लगाया टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी पर अत्याचार करने का आरोप

**संवाददाता/समद खान**

**मुंब्रा।** अक्सर विवादों में और अखबार की सुर्खियों में लचर सुविधाओं और दुगना बिजली बिल बढ़ाकर भेजने को लेकर रहने वाली टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी का फिर एक नया कारनामा सामने आया है जिसमें सोनाजी नगर परिसर में स्थित आशना अपार्टमेंट के लोगों ने टॉरेंट पावर लिमिटेड कंपनी पर दादागिरी का और मनमानी करने का आरोप लगाया है इस पूरे मामले में आशना अपार्टमेंट के लोगों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार हमारी इमारत की मीटर कैबिन की एक डीपी जल गई थी फिर हम लोगों ने हमारे इलाके के लाइसेंस होल्डर इलेक्ट्रीशियन बुलाकर हमारी डीपी को दुरुस्त करवा लिया पता नहीं कहां से टॉरेंट कंपनी के कर्मचारी आ गए हैं और उन्होंने हमारे मीटर केबिन में लगा पीटी प्लेयर के तीनों कट आउट निकाल कर ले गए और उन लोगों ने कहा कि आपने जो यह काम कराया

है उसकी टेस्ट रिपोर्ट हम लोगों को दो उसके बाद ही आप की इमारत की बिजली शुरू की जाएगी हम लोग 3 दिन से बिना बिजली के बिना पानी के हम लोग अपने परिवार के साथ रह रहे हैं हमारी इमारत में कुल मिलाकर 43 मीटर है जिसमें सभी का बिजली बिल पूरी तरह से भरा हुआ है फिर भी टोरेंट कंपनी द्वारा यह कहा जा रहा है कि हम लोगों को 43 मीटर की टेस्ट रिपोर्ट आप लोगों को करानी होगी जिसमें एक मीटर का 300/-रुपया लगेंगे कुल मिलाकर 43 मीटर का 12900/-रुपए लगेंगे इमारत के रहवासियों ने बताया कि हमारा मीटर सही है हम समय पर बिजली बिल का भुगतान कर रहे हैं फिर टोरेंट कंपनी द्वारा हम लोगों पर अत्याचार क्यों किया जा रहा है हमसे मीटर टेस्ट करवाने की बात क्यों कही जा रही है 3 दिन से हम लोग टॉरेंट पावर कंपनी के कार्यालय पर जा रहे हैं वहां पर कोई सही तरह से बात नहीं करता बस कहा जा रहा है यह पेपर लाओ वह पेपर के झरॉक्स दो या अगर बात करनी है तो उनके वहां दलाल मौजूद हैं और उन्हीं दलालों के जरिए से काम किया जा रहा है उन लोगों ने आरोप लगाया है कि टोरेंट पावर कंपनी ग्राहकों को लूटने का काम कर रही है इमारत के रहवासियों ने बताया हमारी इमारत में 39 परिवार हैं छोटे-छोटे बच्चे हैं कई लोग तो इसमें हार्ट पेशेंट भी हैं बिजली नहीं रहने से पानी नहीं आया हम इमारत के रहवासियों को पानी नीचे से भरना पड़ रहा है हम लोगों को जबरदस्ती टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी द्वारा मानसिक प्रताड़ित किया जा रहा है जबकि हम लोगों का गुनाह किया है हमारी इमारत के मीटर लगे हुए हैं और सभी इमारत के रहवासी बिजली बिल का भुगतान समय पर कर रहे हैं फिर भी हम लोगों के साथ में अत्याचार किया जा रहा है यह तो सरासर गलत है एक तरफ तो टोरेंट कहती है कि मुंब्रा वाले बिल नहीं भरते हैं लेकिन सच तो यह है टोरेंट पावर लिमिटेड कंपनी द्वारा मुंब्रा शहर वासियों के साथ अत्याचार कर रही है इमारत के रहवासियों ने कहा जिसने टोरेंट पावर कंपनी लिमिटेड को मुंब्रा में लाया है वह तो मजे से आराम कर रहे हैं और हम लोगों को भरी गर्मी में परेशान होना पड़ रहा है।

# एक घंटे की बारिश ने मुंब्रा शहर को किया पानी पानी, नेताओं द्वारा किया गया विकास समंदर मुंब्रा में बहता हुआ नजर आया

**संवाददाता/समद खान**

**मुंब्रा।** गत 8 सितंबर गुरुवार शाम 5 बजे बादल ने कड़कना और बिजली ने भी चमकना शुरू कर दिया कुछ देर बाद पूरा अंधेरा छा गया और फिर बारिश ने जो कहर बरसाया की एक घंटे की बारिश में पूरा मुंब्रा शहर में पानी पानी हो गया सोशल मीडिया पर हर एक इलाके का पानी से भरा हुआ वीडियो वायरल किया जा रहा था मुंब्रा शहर की सड़कों पर पानी इतनी तेज रफ्तार से बह रहा था जैसे नदी का पानी भर्ती के समय बह रहा हो सारी गाड़ियां डूबती हुई नजर आई सड़कों पर पानी घुटनों के ऊपर तक आ गया था यातायात बुरी तरह से ठप पड़ गया था सड़कों पर लंबा जाम लग गया अमृत नगर परिसर से लेकर शिलफाटा परिसर तक सड़कों पर पानी इस कदर भर गया की लोगों का चलना मुहाल हो गया जलभराव के कारण कई इलाके प्रभावित

हुए हैं जिसमें मुंब्रा बाजार कौसा बाजार शबनम अपार्टमेंट अलमास कॉलोनी श्रीलंका व्हाई जंक्शन अमृत नगर मै पानी का जलभराव देखा गया चार पहिया वाहन और दो पहिया वाहन पानी में डूबती हुई नजर आई मुंब्रा रेलवे स्टेशन के अलावा मुंब्रा पुलिस स्टेशन भी पानी से भरा हुआ नजर आए कई दुकानों में मकानों मैं मस्जिदों में घुटनों तक पानी भर गया जिस तरह एक घंटे की बारिश ने पूरी मनपा प्रशासन की पोल पट्टी खोल कर रख दी है और बता दिया कि किस से मुंब्रा शहर में राजनेताओं द्वारा किया गया विकास की गंगा बही जा रही है और मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति द्वारा नालों की और गटरो की सफाई की गई नाले लबालब पानी से भरते हुए नजर आए और उसके साथ साथ तमाम गंदगी कचरो समेत सड़कों पर आ गई अगर वक्त रहते तमाम पूर्व नगरसेवक द्वारा और मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति द्वारा नालों की और गटरो की सफाई की गई होती तो शायद आज यह स्थिति उत्पन्न ना होती गौरतलब बात तो यह है मनपा प्रशासन द्वारा नाले और गटर्रो की सफाई के लिए करोड़ों रुपए की निधि पारित की गई मगर राजनेताओं और मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति के अधिकारी की मिलीभगत से करोड़ों रुपए निधि का बंदरबांट कर लिया गया और मुंब्रा शहर को बदहाली की तरफ और लावारिस समझ कर छोड़ दिया है यह विकास किया गया मुंब्रा शहर का जहां चारों ओर विकास की गंगा बह रही है।

# नाबालिक लड़के के साथ 20 वर्षीय युवक द्वारा किया गया यौन अत्याचार

**संवाददाता/समद खान**

**मुंब्रा।** 6 वर्षीय मासूम नाबालिक लड़के के साथ यौन अत्याचार करने का मामला प्रकाश में आया है इस मामले में पीड़ित लड़के के पिता द्वारा मिली जानकारी के अनुसार गत 6 सितंबर मंगलवार कौसर होटल स्थित से सट्टा ग्रीन पार्क परिसर की एक इमारत में रहने वाला रिजवान उर्फ लल्लू 20 वर्षीय द्वारा उनके 6 वर्षीय नाबालिक लड़के को 10 रुपए का और चॉकलेट बिस्किट का लालच देकर इस परिसर की एक इमारत की छत पर ले जाकर उसके साथ में यौन अत्याचार किया इस बात का पता हमको तब चला जब रिजवान उनके लड़के को छत पर ले गया और उसके साथ में एक और बच्चा था जोकि उसकी चुंगल से निकलकर भाग गया और उसी ने हमको बताया कि रिजवान द्वारा मेरे बेटे के साथ में यह गलत हरकत की गई उन्होंने बताया मेरे बेटे से मुझे यह पता चला कि 15 दिन पहले भी रिजवान ने मेरे बेटे के साथ में यह

दरिंदगी की थी यह रिजवान इमारत की छत पर गद्दा तकिया और तेल की बोतल रखता था ताकि मासूम नाबालिक लड़के को बहला-फुसलाकर और लालच देकर वह अपनी हवस का शिकार बना सके इस घटना की शिकायत नाबालिक लड़के की पिताजी ने डायगर पुलिस स्टेशन में की मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए रिजवान उर्फ लल्लू को गिरफ्तार कर लिया गया है इस युवक के विरुद्ध में डायगर पुलिस स्टेशन ने पोस्को एक्ट की धारा 8 12 भारतीय दंड संहिता की धारा 377 के तहत मामला दर्ज कर आगे की छानबीन एपीआई विशाल चिटनिस द्वारा की जा रही है एक विशेष सूचना नाबालिक मासूम बच्चों के अभिभावकों से निवेदन किया जाता है की कृपा अपने बच्चों को यह समझाएं कि किसी भी अनजान व्यक्ति से कभी भी चॉकलेट और बिस्किट न ले नहीं तो वह बच्चे उस दरिंदे का शिकार हो सकते हैं आप भी सतर्क रहें और अपने बच्चों को भी सतर्क रहने के लिए कहा।

## (पृष्ठ 1 का समाचार)

### मुंबई एयरपोर्ट से 5.38 करोड़ का सोना बरामद

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग के अधिकारियों ने पहले एक यात्री की तलाशी ली। इस तलाशी में एक खास तरह के बेल्ट में सोना छिपाए जाने की बात का पता चला। इसके बाद कस्टम विभाग ने पूछताछ के बाद छह लोगों अरेस्ट कर लिया। कस्टम अधिकारियों ने सोना जब्त कर लिया है। कस्टम विभाग द्वारा दी गई जानकारियों के मुताबिक विदेशी नागरिकों ने एक खास तरह की बेलट पहनी हुई थी। इस बेल्ट की अलग बनावट होने की वजह से अधिकारियों को शक हुआ। शक के आधार पर तलाशी ली गई तो बेल्ट में सोना छिपाए जाने की बात का पता चला। सोने का वजन किया गया तो 12 किलो सोना पाया गया। जब्त किए हुए सोने का वजन 12 किलो है। इसकी कीमत 5 करोड़ 38 लाख रुपए बताई जा रही है। कुछ यात्रियों द्वारा सोना छुपा कर लाने वालों की मदद की कोशिश की जा रही थी। लेकिन कस्टम विभाग के राडार में ये सारे के सारे लोग आ गए। कस्टम विभाग के अधिकारियों ने कुल छह लोगों को अरेस्ट किया है। अरेस्ट किए गए लोगों से सख्ती के साथ पूछताछ की जा रही है।

### कोरोना के दो साल बाद गणेश उत्सव में दिखा जोश

बीएमसी ने कहा कि वर्ष 2021 के मुकाबले मूर्ति विसर्जन में 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, क्योंकि तब कोरोनो वायरस महामारी के बीच गणेश और गौरी की कुल 1,65,040 मूर्तियों का विसर्जन किया गया था। पिछले 10 दिनों में शहर भर में बनाए गए कृत्रिम तालाबों में 66,127 मूर्तियों का विसर्जन किया गया। दो साल के अंतराल के बाद इस वर्ष गणपति या गणेश उत्सव बिना किसी महामारी संबंधी प्रतिबंध के मनाया गया। बीएमसी के मुताबिक उत्सव के दूसरे दिन सबसे ज्यादा 60,557 मूर्तियों का विसर्जन किया गया। महाराष्ट्र के अलग-अलग इलाकों में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के दौरान कई हादसे हुए। इसमें कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई, जिनमें से 14 की मौत डूबने से हुई है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि प्रदेश के वर्धा जिले के सवांगी में तीन लोग डूब गए, जबकि एक अन्य देवली में डूब गया। उन्होंने बताया कि यवतमाल जिले में मूर्ति विसर्जन के लिए गए दो व्यक्ति तालाब में डूब गए। अधिकारी ने बताया कि प्रदेश के अहमदनगर जिले के सुपा और बेलवंडी में अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की डूबने से मौत हो गई, जबकि दो अन्य की मौत प्रदेश के जलगांव जिले में हुई। पुलिस ने बताया कि पुणे के घोड़ेगांव और यवात में, धूले जिले में, सतारा के लोनीकंड एवं सोलापुर शहर में एक-एक व्यक्ति की मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि नागपुर शहर के शक्करदारा इलाके में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। नागरिक निकाय के एक अधिकारी ने बताया कि ठाणे के कोलबाद इलाके में बारिश के कारण एक पेड़ एक गणेश पंडाल पर गिर गया, जिससे इस घटना में 55 साल के एक व्यक्ति की मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि यह घटना शुक्रवार की रात को हुई।

### महाराष्ट्र सरकार पर 12000 करोड़ रुपए का जुर्माना

इससे पर्यावरण की हानि हो रही है। इसके साथ ही बंगाल सरकार पर भी दंडात्मक कार्रवाई की गई है। न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल से जुड़े कानून की धारा 15 के आधार पर महाराष्ट्र सरकार द्वारा पर्यावरण के नियमों का पालन करने में असफल होने की बात कही है। ट्रिब्यूनल ने कहा है कि महाराष्ट्र सरकार घन और द्रव्य कचरे का सही व्यवस्थापन करने में ढिलाई बरत रही है। इस वजह से वह पर्यावरण की हानि के लिए जिम्मेदार है। ऐसे में महाराष्ट्र सरकार जुर्माना लगाए जाने की हकदार है।

### धर्म गुरु शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती का निधन

आजादी की लड़ाई में भाग लेकर शंकराचार्य जेल गए थे। राम मंदिर निर्माण के लिए भी उन्होंने लंबी कानून लड़ाई लड़ी थी। हाल ही में तीजा के दिन स्वामी जी का 99वें जन्मदिन मनाया गया था। नौ वर्ष की छोटी सी उम्र में जगद्गुरु शंकराचार्य श्री स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने घर का त्याग कर धर्म यात्रायें प्रारम्भ कर दी थीं। इस दौरान वह काशी पहुंचे और यहां उन्होंने ब्रह्मलीन श्री स्वामी करपात्री महाराज वेद-वेदांग और शास्त्रों की शिक्षा ली। ये वो वक्त था जब देश में अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई चल रही थी। देश में आंदोलन हो रहे थे। जब १९४२ में गांधी जी ने अंग्रेजों भारत छोड़ो का नारा दिया तो ये भी स्वतंत्रता संग्राम में कूद गए। उस वक्त इनकी आयु 19 साल की थी। इस उम्र में वह 'क्रांतिकारी साधु' के रूप में पहचाने जाने लगे थे। इसी दौरान उन्होंने वाराणसी की जेल में नौ महीने और अपने गृह राज्य मध्यप्रदेश की जेल में छह महीने की सजा भी काटी।

# सुमित भल्ला और अनीता भट्ट ने आसिम रियाज - निशा गुरगैन के वीडियो 'पहली बारिश में' को दी जादुई आवाज

**आत्मा** म्युजिक द्वारा रिलीज बारिश का बेहद रोमांटिक गीत 'पहली बारिश में' मिलियन्स में व्यूज हासिल कर रहा है। सुमित भल्ला और अनीता भट्ट ने आसिम रियाज और निशा गुरगैन के इस खूबसूरत वीडियो 'पहली बारिश में' को अपनी जादुई आवाज दी है। भानु पंडित के म्युजिक को भी लोग काफी पसन्द कर रहे हैं। इस खूबसूरत म्युजिक वीडियो के निर्माता वसीम कुरैशी का कहना है कि यह गीत दूसरे रोमांटिक गीतों से बहुत हटकर है। इस गीत मे बेहतरीन संगीत के साथ साथ कई इमोशंस भी जुड़े हुए हैं। गीत में आसिम रियाज और निशा गुरगैन की केमिस्ट्री देखने लायक है। गीत के को-प्रोड्यूसर अय्यूब कुरैशी का कहना है कि जिस तरह पहली बारिश में सांग को रेस्पॉन्स मिल रहा है, वह अविश्वसनीय है। मिलियन्स में लोग गाने को पसन्द कर रहे हैं। आत्मा म्युजिक के सीईओ

करण रमानी भी लाखों व्यूज मिलने पर काफी उत्साहित हैं। वह कहते हैं कि आत्मा म्युजिक का हर गीत सबसे जुदा होता है। 'पहली बारिश में' एक ऐसा म्युजिक वीडियो है जो दर्शकों के दिल में तेजी से बसता जा रहा है। आसिम और निशा की लाजवाब जोड़ी और इनकी अद्भुत केमिस्ट्री ने गाने को बहुत ही प्यारा बना दिया है। बता दें कि कुरैशी प्रोडक्शंस प्राइवेट लिमिटेड का एक हिस्सा आत्मा म्युजिक है, जो नए गीतकार, संगीतकार और गायकों को बढ़ावा देती है। इस गीत के वीडियो को देहरादून की हसीन पहाड़ियों, खूबसूरत लोकेशंस पे शूट किया गया है। इस गीत के बोल और धुन सभी गीतों से काफी अलग है। काशी कश्यप ने इस गीत को कम्पोज किया है। भानु पंडित और मुकेश मिश्रा ने इसके शब्द लिखे हैं और संगीत भानु पंडित ने दिया है। आत्मा म्युजिक द्वारा प्रस्तुत गीत 'पहली बारिश में' वसीम कुरैशी और गितेश चंद्राकर द्वारा निर्मित है। वीडियो को नदीम अख्तर ने डायरेक्ट किया है।गाने के सह-निर्माता अयूब कुरैशी, अख्तर खान, सचिन बेलदार, विकास तिवारी, डॉ. अनिल उपाध्याय, रवि प्रियांशु, अजान कुरैशी, मुहाफिज कुरैशी हैं।

# पत्नी से अवैध संबंधों के शक में वकील छोटे भाई को बेरहमी से मार डाला

**संवाददाता/सुनील बाजपेई**

**कानपुर।** पत्नी से अवैध संबंधों के शक में बड़े भाई ने अपने छोटे भाई की पीट-पीटकर मार डालने के बाद बाइक लेकर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। घटना की जानकारी आज रविवार भोर पहर तब हुई जब बरामदे में चारपाई पर मृतक का खून से भरा शव देखा गया। मृतक वकील था और कानपुर कचहरी में वकालत करता था। साथ ही पीसीएस जे की तैयारी भी कर रहा था। घटना यहां आउटर जिले के महाराजपुर थाना क्षेत्र के गांव घाघूखेड़ा हुई। जिसकी सूचना पर एसपी आउटर तेज स्वरूप सिंह, सीओ सदर भी तत्काल मौके पर पहुंचे और आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिये, जिसके बाद पुलिस उसकी तलाश में जुट गई है लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया है। घटना के बारे में प्राप्त विवरण के मुताबिक महाराजपुर के घाघूखेड़ा में किसान जगदीश यादव के छोटे बेटे 30 वर्षीय शिवबहादुर की बड़े भाई धनंजय सिंह ने डंडे व किसी भारी वस्तु से प्रहार कर हत्या कर दी। घटनाक्रम के अनुसार शनिवार रात भोजन के बाद धनंजय अपने कमरे में लेटा हुआ था। छोटा भाई शिवबहादुर धनंजय के कमरे के बगल में बरामदे पर चारपाई में सो रहा था। धनंजय की पत्नी साक्षी ऊपर छत में घर की महिलाओं के साथ सो रही थी। रविवार भोर पहर जब साक्षी नीचे आई तो सीढ़ियों से उतरते ही सामने बरामदे पर देवर का शव खून से लथपथ पड़ा देख वो चीत्कारें मारने लगी। चीत्कारें सुन अन्य स्वजन व ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस के अनुसार शिवबहादुर की धनंजय ने बेदर्दी से हत्या की। उसका चेहरा बुरी तरह कुचला हुआ था।खून से सना टूटा डंडा घटनास्थल से मिला है। आरोपित घटना के बाद बाइक से फरार हो गया। एसपी आउटर तेज स्वरूप सिंह, सीओ सदर संग्राम सिंह व फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुचकर छानबीन की और साक्ष्य जुटाए। एस पी ने बताया कि आरोपित धनंजय के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर तलाश की जा रही है।

◆ एकता की मिसाल हिन्दु, मुस्लिम, सिख, इसाहि हर साल कि तरह इस साल भी ९/९/२०२२ आनंद चतुर्थी के विसर्जन पर जय हो सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट की टीम नए मिट्ठा शरबत का कार्यक्रम आयोजित रखा गया था। एल बी एस मार्ग बाबा फालूदा के सामने मुगल दरबार होटल के पास कुर्ला (पश्चिम) मुंबई ७० मौजूद रहे अमरजीत सिंह कोल्छर, निसार अहमद खान, सुखबिन्दर सिंह, रमजान अली चौधरी, अशोक रावत, जय हिंद कुमार प्रजापती, मो रफिक खान, मेघराज खनेता, नजीर अहमद, कीरत सिंह कोल्छर, खालिद खान, नूरझा पारवे, शीतल वालिकर, रिजवाना खान और साथ हि युवा व्यापारी वेलफेअर असोसिएशन नए वाड़ा पाव का लंगर लगाया और साथ हि जय हो सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट की टीम को भी सम्मानित किया गया।

# सीकर में दो बेटियों की शादी के लिए बनवाए गहने व नगदी पर चोरों ने हाथ साफ किया

**मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़**

**राजस्थान** के सीकर शहर में पिपराली रोड स्थित एक मकान में चोर गुरुवार को लाखों के गहने व नगदी चुरा ले गए। घटना के वक्त परिवार घर से बाहर था। पड़ोसियों की सूचना पर सुबह घर संभाला तो ताले टूटे हुए तथा गहने व नगदी गायब मिले। मामले में पीड़िता बानो पत्नी मोहम्मद सिकंदर ने उद्योग नगर थान में रिपोर्ट दी है। जिसमें उसने बताया कि उसका पिपराली रोड पर आरटीओ चौराहे के पास सरोज वाटिका में मकान है। जिसमें वह अपनी बेटियों के साथ रहती है। गुरुवार शाम को वह घर के ताला लगाकर बेटियों सहित वार्ड नंबर 8 में सोमनाथ

त्रिहन की गली स्थित अपने पीहर चली गई थी। आज सुबह छह बजे उसके पड़ोसियों ने घर के ताले टूटने की सूचना दी तो वह अपने भाइयों के साथ घर पहुंची। जहां घर व अलमारियों के ताले टूटे हुए मिले। जांचने पर बेटियों की शादी के लिए बनवाए ढाई तोला सोने के पांच कान की बाली, एक मंगलसूत्र, 5-5 जोड़ी अंगूठी, नई पुरानी 10 पायल तथा नाक के कांटे, चांदी का हार, दो चैन, मेकअप का सामान तथा दस हजार नगदी सहित कीमती घरेलू सामान गायब मिला। लिहाजा चोरों की तलाश कर कानूनी कार्रवाई की जाए। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पीड़िता के पति मस्कत में मजदूरी करते हैं। जिनकी अगले साल देश लौटकर दोनों बेटियों की शादी करने की योजना थी। इसके लिए परिवार गहने व सामान जुटा रहा था। पर शादी से पहले ही चोरों ने घर में सेंध मार दी। उक्त जानकारी पत्रकार बाबू अंसारी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

# लोहार प्रीमियर लीग की तारीख तय

**मुंबई।** लोहार प्रीमियर लीग (एलपीएल) की तरफ से तारीख तय कर दी गई है। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मैदान मीरा-भयंदर, महाराष्ट्र में 31 दिसंबर 2022 को पांचवी बार मैच बड़ी शानदार तरीके से किया जायेगा। इस प्रोग्राम के अयोजक है आलम कपूर अयूब सिंघानिया शब्बीर खिलजी उर्फ बिल्लू भाई ब्यान कपूर और लोहार जमात इंडिया और लोहार समाज चैरिटेबल ट्रस्ट। गुजरात और लोहार समाज के काफी लोग इसमें हिस्सा लेने जा रहे हैं। राजस्थान गुजरात कई जगह से मुंबई डाकिया रोड मैच में हिस्सा लेगी और आलम कपूर अयूब सिंघानिया बयान कपूर और शब्बीर खिलजी का कहना है कि हम इस साल की बड़ी शानदार तरीके से लोहार प्रीमियर लीग एलपीएल मैच काफी धूमधाम से करेंगे और लोहार के बच्चों को हम नेशनल लेवल के ऊपर क्रिकेट खेलने की भी मदद करेंगे। अगर किसी लोहार बच्चे को अगर क्रिकेट नेशनल लेवल पर खेलना है तो हम हमारे समाज की तरफ से बच्चे को मदद भी करेंगे।

# गुलाबपुरा स्पिनफेड श्रमिकों के समायोजन का मुद्दा विधायक सांखला द्वारा विधानसभा में उठाने पर झुकी कांग्रेस सरकार

**मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़**

**राजस्थान** भीलवाड़ा जिले के गुलाबपुरा स्पिनफेड के श्रमिकों द्वारा गत वर्ष उपखंड कार्यालय के बाहर समायोजन की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया था। धरना काफी लंबे समय तक चला। तब कई राजनेताओं ने राजनीतिक रोटियां सेकते हुए मीठा आश्वासन दिया था। धरने प्रदर्शन को लेकर क्षेत्रीय विधायक जब्बर सिंह सांखला सांखला भी मौके पर जाकर समायोजन के मुद्दे को विधानसभा में उठाने की बात कही और उन्होंने मुद्दे को विधानसभा में उठाया भी था। विधायक जब्बर सिंह सांखला की मेहनत रंग लाई और सरकार ने झुकते हुए इस पर अमल किया। आसींद हुरडा विधायक जब्बर सिंह सांखला ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि गुलाबपुरा स्पिन फेड के श्रमिकों की कई लंबे समय से चल रही लंबी मांग को लेकर सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना का धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया! सांखला ने चर्चा में बताया कि क्षेत्र की गुलाबपुरा हुरडा के कई श्रमिकों का लंबे समय से समस्या का समाधान करने के लिए विधानसभा में भी मुद्दा उठाया था! श्रमिकों को उनका हक मिले उसके लिए लंबी लड़ाई लड़नी पड़ी। श्रमिकों ने गत वर्ष भी मांग को लेकर उपखंड कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन भी दिया! मंत्री को कई बार ध्यानाकर्षण के बाद मुझे अभी कुछ समय पूर्व पुनः मुद्दे के लिए कहना पड़ा! विधानसभा चलने वाली है मुझे फिर श्रमिकों की मांग के लिए विधानसभा में मांग नही करनी पड़े व श्रमिकों के हितों को देखते हुए उनका समायोजन कराएं! उन्होंने बताया कि क्षेत्र के श्रमिकों को समायोजन होने से उनके परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है! चर्चा में विधायक सांखला ने लंपी रोग के संबंध में चर्चा करते हुए बताया कि किसानों के जीवन मे पशुपालन एक बहुत बड़ा आमदनी का जरिया है! अभी वर्तमान में लंपी रोक से पशुधन प्रभावित है! रोग से बड़ी संख्या में पशुधन मर रहा है! समस्या के शीघ्र समाधान के लिए इनके लिए भी कोविड-19 की जैसे ही कार्इन हाउस सेंटर में इनका उपचार हो इसके पूरे प्रयास निरंतर कर रहे हैं! मैंने विधायक कोष से भी क्षेत्र के पशुधन को बचाने के लिए 10 लाख रुपए की विधायक कोष से देने की अनुशंसा की है! उन्होंने बताया कि सरकार इसे महामारी घोषित कर कड़े कदम उठाए! इसके लिए मैं विधायक कोष से 50 लाख रुपए भी देने के लिए तैयार हूं। सरकार पशुधन को बचाने के लिए सभी विधायकों से फंड की व्यवस्था कर तुरंत पशुधन को बचाने के लिए प्रयास शुरू करें! वर्तमान में जो व्यवस्था हैं वह नाकाफी हैं, उन्होंने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से भी कहा कि किसी भी प्रकार से पशुधन को बचाने के लिए हर संभव प्रयास करें। सरकार अपने स्तर पर भी व्यवस्था कर रही हैं जो पर्याप्त नहीं है।

# महात्मा फुले शिक्षण संस्था में शिक्षक दिवस पर गजल मुशायरे का शानदार कार्यक्रम

**5 सितंबर** का दिन भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी का जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप मे मनाया जाता है।शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य मे धारावी स्थित महात्मा फुले शिक्षण संस्था द्वारा संचालित छत्रपती शिवाजी विद्यालय के प्रांगण मे 7सितंबर के दिन सुबह 11बजे गजल मुशायरे का आयोजन किया गया था। गजलकार प्रशांत वैद्य, विद्रोही लोकशाहिर संभाजी भगत,राधिका प्रेम संस्कार, वैशाली माली, डाक्टर गजानन मिटके, वीरेंद्र पाटिल, शब्बीर शेख, विक्रम सिंह, अमित झा राही, कासिफ सैय्यद एवं हास्यकवि सुरेश जी मिश्रा जैसे दिग्गज कवियो ने अपनी गजल और मुशायरो से श्रोताओ को मन्त्रमुग्ध कर दिया।इस कार्यक्रम की खास बात यह रही कि हिन्दी, मराठी, उर्दू तीनो भाषाओ के गजलकारो ने शमा बांध दिया। प्रेम, विरह,वास्तविकता, मानवता, स्वतंत्रता सामाजिक समस्या,पर्यावरण जैसे अनेक विषयो पर गजल व शेरो शायरी पेश किए। हास्यकवि सुरेश जी के हास्य व्यंग्य काव्यो से दर्शक हंस-हंस कर लोट पोट हो गए। इस कार्यक्रम का सूत्रसंचालन सुधीर चित्ते जी के द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष श्री बाबूराव मानेसर जी ने सभी शिक्षको और शिक्षकेतर कर्मचारियो को उपहार स्वरूप भेट वस्तु प्रदान की व सहभोजन की व्यवस्था भी गई थी।इस शानदार कार्यक्रम मे संस्था के अध्यक्ष श्री बाबूराव मानेसर, सचिव दिलीप शिंदे जी,कोषाध्यक्ष प्रमोद माने जी,छत्रपती शिवाजी विद्यालय की मुख्याध्यापिका श्रीमती वीणा दोनवलकर मॅडम, अंग्रेजी माध्यम की मुख्याध्यापिका सौ.स्वाती होलमुखे मॅडम, मनोहर जोशी कॉलेज के प्राचार्य कमलेश सोनपसारे सर,अफरोज मॅडम, श्रद्धा मॅडम और सर्व शिक्षकवृंद व शिक्षकेतर कर्मचारियो ने इस कार्यक्रम का लुत्फ उठाया।

# तेज हवा बारिश में गिरा घर, पीड़ित ने लगाई मदद की गुहार

**मुंबई हलचल /विद्या शंकर शुक्ला**

**प्रयागराज।** नवाबगंज थाना क्षेत्र तहसील सोरांव ग्राम-सभा आदमपुर झोखरी गांव निवासी भूपेंद्र शुक्ला पत्नी. विभा ने बताया रविवार मध्य रात तेज हवा व बारिश के वजह से हमारा घर गिर गया है। वही घर में रात को सो रही थी। उसी बीच हल्का गिरने आवाज आई सो रहे दंपती ने निकलकर सुरक्षित बाहर आये हालांकि.किसी के जान को खतरा नहीं पहुंचा। तथा गृहस्ती का सामान उसी में दबा हुआ है। पीड़ित दंपत्ति ने ग्राम प्रधान के द्वारा जिले के जिम्मेदार अधिकारी व राज्य सरकार से मदद की गुहार लगाई है। तथा मौके पर प्रधान ने पहुंच कर दूरभाष के माध्यम से क्षेत्रीय राजस्व लेखपाल मामले को अवगत कराया तथा हर संभव मदद का भरोसा जताया है।

दैनिक मुंबई हलचल

## जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

# समृद्ध भामाशाह ही समाज विकास की धुरी, समाज की बेटी और वोट समाज को मिले: सोढ़ाला

**मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़**

**राजस्थान।** रावणा राजपूत समाज के प्रदेलवशाध्यक्ष रणजीत सिंह सोढ़ाला ने कहा कि भीलवाड़ा में संगठन अच्छी और मजबूती से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि समाज की बेटी और वोट समाज को ही मिलना चाहिए ऐसा हमारा प्रयास रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार को यह बात नहीं भूलना चाहिए कि वह आनन्द पाल की वजह से सरकार में है। हमारे समाज का हक उनसे लेके रहेंगे। अगर हमारी जायज मांग सरकार ने नहीं मानी तो हमें उसे सबक सिखाने को भी तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिना भामाशाह कोई काम सफल नहीं होता है। उन्होंने कहा कि समृद्ध भामाशाह ही समाज विकास की धुरी है। उन्होंने 23 सितंबर को जोधपुर में महासम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हमें समाज के लिए आनन्द पाल सिंह द्वारा दिए गए बलिदान को नहीं भूलना चाहिए। वो सर्व रावणा राजपूत सेवा संस्थान द्वारा हाइफा हीरो भवन एवं छात्रावास में समाज के ट्रस्टियों व भामाशाह के सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भामाशाहों और ट्रस्टियों से हाइफा हीरो भवन एवं छात्रावास का निर्माण संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि समाज को रावणा राजपूत, दरोगा, हजूरी, वजीर जैसे उपनामों से जाना जाता है। उसके स्थान पर इन नामों को विलोपित कर केवल रावणा राजपूत नाम से जाना जाए। आसींद हुरड़ा के विधायक जब्बर सिंह सांखला ने कहा कि भीलवाड़ा में रतन सिंह रणावत का काम काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि आलोचना करने वालों से नहीं घबराना चाहिए।

उन्होंने कहा कि रणजीत सिंह सोढ़ाला समाज के लिए बहुत ही अच्छा काम कर रहे हैं तथा सबसे मजबूत व्यक्ति हैं। राजनीति में 36 जात को साथ लेकर चलने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आसींद विधानसभा चुनाव में रावणा राजपूत समाज ने मजबूती से अपनी भूमिका निभाई एवं समाज एक जाजम पर संगठित था। मगर अब कुछ लोगों में मनमुटाव आ गया जो समय रहते उसे भी सुलझाने का भरपूर प्रयास करेंगे। उन्होंने 23 सितंबर को जोधपुर में महासम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचे ऐसा हमारा प्रयास रहना चाहिए। रतन सिंह राणावत ने कहा कि संगठन का छात्रावास ही एकमात्र जगह है जहां हम शान से उपस्थित रह सकते हैं। अपघात सेवा समिति के हरिकिशन सिंह कानावत ने कहा कि समाज के हर कार्यक्रम में तन मन धन की आवश्यकता होती है। हम अच्छे काम करेंगे तो आलोचना होगी, हमें आलोचना से नहीं घबराना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज के लिए ब्लड की कोई कमी नहीं है और हमें ब्लड के लिए किसी नेता के सामने हाथ फैलाने की आवश्यकता नहीं है। विक्रम सिंह आकोदा ने कहा कि समाज में एकता की वजह से एक विधायक जब्बर सिंह सांखला हमारे बीच बैठे हैं। उन्होंने कहा कि युवा समाज की रीढ़ की हड्डी है वह किसी के बहकावे में नहीं आएं। समाज के लिए एकजुटता दिखाई जानी चाहिए। सतेन्द्र सिंह चौहान पार्षद आसींद ने कहा कि कोई भी चीज मांगने से नहीं मिलती हमें छीननी पड़ती है। उन्होंने कहा कि आसींद हुरड़ा विधायक सांखला को टिकट दिलाने में प्रदेशाध्यक्ष सोढ़ाला ने काफी प्रयास किए हैं। हमें आनेवाले लोकसभा चुनाव में भी सकारात्मक सहयोग करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में प्रदेशाध्यक्ष सोढ़ाला की वजह से समाज को एक नई पहचान मिली है। इस दौरान विजय सिंह पंवार, राजेंद्र सिंह लुहारिया, घनश्याम सिंह, कैलाश सिंह परिहार, नरेन्द्र सिंह टांक, उदय सिंह जोधड़ास, सुरेश सिंह सिसौदिया सहित सैकड़ों समाजबंधु व मातृशक्ति उपस्थित थी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# जनसंख्या वृद्धि समस्या एवं चुनौतियां एक विमर्श विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

**संवाददाता/फहीम अहमद राज**

**लंढौरा हरिद्वार।** चमन लाल महाविद्यालय के अर्थशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा संयुक्त रुप से भारत में जनसंख्या वृद्धि समस्या एवं चुनौतियां एक विमर्श विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी के प्रथम दिन वक्ताओं ने जनसंख्या वृद्धि के प्रभावों एवं निराकरण के विषय में विचार विमर्श किया। मुख्य वक्ता डॉ विजय रावत ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि से अधिक बड़ी समस्या संसाधनों का प्रबंधन न कर पाना है। जनसंख्या वृद्धि इस बात की ओर संकेत करती है कि हम मृत्यु दर कम करने में सफल रहे हैं जो किसी भी देश के लिए एक अच्छा संकेत है। जनसंख्या नियंत्रण के लिए बहुत कड़े नियम भविष्य में वृद्ध जनसंख्या जैसी समस्याओं को जन्म देती है। इसीलिए जनसंख्या नियंत्रण के साथ हमें संसाधन प्रबंधन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि डॉ अमिता श्रीवास्तव ने जनसंख्या वृद्धि के कृषि और खाद्यान्न उपलब्धता पर प्रभाव पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जनसंख्या वृद्धि के साथ कृषि भूमि की उपलब्धता निरंतर कम हो रही है जिसके कारण खाद्यान्न आवंटन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या वृद्धि के सापेक्ष हमें भोजन की उपलब्धता बनाए रखने के लिए परिवहन लागत आदि का प्रबंधन करना होगा। विशिष्ट वक्ता

डॉ अनीता मोरल ने कहा कि जनसंख्या में अत्यधिक वृद्धि मानव सभ्यता के हर पक्ष को प्रभावित करती है। पर्यावरण असंतुलन आर्थिक समस्याएं और सामाजिक समस्याएं जनसंख्या वृद्धि की देन है। उन्होंने पर्यावरण पर जनसंख्या वृद्धि के प्रभाव पर विस्तार से चर्चा की और बताया कि बढ़ती जनसंख्या पर्यावरण असंतुलन की स्थिति पैदा कर रही है जो किसी भी प्रकार हमारे लिए उचित नहीं है अतः हमें जनसंख्या वृद्धि नियंत्रण पर ध्यान देने की आवश्यकता है। महा विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष राम कुमार शर्मा ने कहा कि वर्तमान स्थिति जनसंख्या वृद्धि की रोकथाम किया जाना बहुत आवश्यक है और इसके लिए सबसे उपयुक्त उपाय शिक्षा को बढ़ावा देना है। शिक्षित व्यक्ति निश्चित रूप से जनसंख्या विस्फोट के दुष्परिणामों को जाने का और जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के लिए मानसिक रूप से तैयार होगा। प्राचार्य डॉक्टर सुशील उपाध्याय ने कहा कि जनसंख्या वृद्धि को केवल समस्या के रूप में देखना उचित नहीं है बल्कि यह है वैश्विक स्तर पर एक बड़ा बाजार दुनिया को प्रधान करती है। जिससे विश्व के अनेकों देश निवेश करने को बाध्य हो जाते हैं और विकास के नए रास्ते खुलते हैं। संगोष्ठी आयोजन सचिव डॉ निशू कुमार ने कहां की जनसंख्या वृद्धि पर रोकथाम के लिए महिलाओं को शिक्षित करना आवश्यक है। संगोष्ठी के संयोजक विमल कांत ने अतिथियों और वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ नवीन कुमार ने किया। इस अवसर पर डॉ निशू कुमार और डॉ विमल कांत तिवारी द्वारा संपादित पुस्तक जनसंख्या वृद्धि समस्या एवं चुनौतियां एक विमर्श पुस्तक का विमोचन किया गया। महा विद्यालय प्रबंध समिति सचिव अरुण हरित तथा कोषाध्यक्ष अतुल हरीश ने ही संगोष्ठी को संबोधित किया। डा देव पाल, डॉ मीरा चौरसिया, विपुल सिंह, डॉ किरण शर्मा, डॉ अनुराग शर्मा, डॉ विनीत कुमार, डॉ कुलदीप कुमार, आदि उपस्थित रहे

# आमेट में गुलाब शाह बाबा के उर्स की तैयारिया अंतिम चरण में, दरगाह कमेटी की बैठक सम्पन्न

**संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन**

**राजसमंद, आमेट।** स्थानीय चन्द्रभागा नदी तट पर स्थित दरगाह हजरत सैय्यद शहीद गुलाब शाह बाबा के आस्ताना पर हर साल की तरह इस वर्ष भी 24 वां उर्स मुबारक की तैयारिया अंतिम चरण में है साथ ही इस सम्बन्ध में गुरुवार को दरगाह परिसर में एक बैठक अध्यक्ष शराफत हुसैन फौजदार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।दरगाह कमेटी के सचिव जहुर हुसैन शोरघर ने जानकारी देते हुए बताया कि उर्स के प्रोग्राम के तहत रविवार 11 सितम्बर को प्रातः दरगाह पर परचम कुशाई व कुरआन ख्वानी के प्रोग्राम से उर्स शुरू होगा, तत्पश्चात बाद दोपहर नया अंजुमन से बाबा साहब की दरगाह तक परम्परागत तरीके व रूट से चादर शरीफ का जलसा सूफी साहब सैय्यद शाहिद अली साबरी, गद्दी नशीन, हजरत मेहबूब अली शाह र. अ. देवगढ़ व अन्य बाहर से आने वाले सूफी संतो आदि के सानिध्य में धूमधाम से निकाला जाएगा, और बाबा साहब के आस्ताना पर चादर शरीफ पेश कर देश में अमन खुशहाली की दुआ की जाएगी, इसके पश्चात रविवार रात्रि को मिलाद शरीफ व बाद में शानदार कव्वाली का प्रोग्राम रखा गया है, जिसमे हिंदुस्तान के मशहूर

सूफी कव्वाल सदाकत अली साबरी प्रथम मर्तबा आमेट में अपना प्रोग्राम पेश करेंगे, जो भोर होने तक चलेगा। इसी प्रकार सोमवार 12 सितम्बर को प्रातः 10 बजे से मिलाद के पश्चात पुनः कव्वाली एव 3 बजे उर्स मेला के समापन की रस्म के तहत कव्वाल हजरात द्वारा रंग व साढ़े तीन बजे कुल की रस्म अदायगी होंगी। सचिव शोरघर ने बताया की कोरोना महामारी के पश्चात इस वर्ष होने वाले उर्स में भारी तादाद में जायरीनों के उर्स में पहुँचने की संभावनाओ के मद्देनजर उर्स के दौरान बाहर से तशरीफ लाने वाले तमाम जायरीन के ठहरने का माकूल इंतेजाम रखा गया है, साथ ही हर साल की तरह इस साल भी सभी जायरीनों के लिए लंगर ग्रुप की ओर से लंगर खाने की खिदमत का इंतेजाम रखा गया है, उर्स के दौरान आस्ताना पर विधुत सज्जा, टेंट, सजावट व मेहमानो के लिए आवश्यक सुविधाओ को अंतिम रूप दिया गया है, दरगाह कमेटी अध्यक्ष शराफत हुसैन फौजदार ने बैठक के दौरान सभी कार्यकर्ताओ को अलग अलग जिम्मेदारी सौंप कर उर्स के दौरान आस्ताना पर खिदमत के कार्यो में, किसी जायरीन को असुविधा न हो इस का खास ख्याल रखे जाने को कहा साथ ही जायरीन हजरात को चादर, फूल इत्र अगरबत्ती आदि मुहैया करने को लेकर स्टॉल भी व्यवस्थित स्थान पर लगाने का निर्णय लिया गया, आस्ताना की खिदमत का कार्य मुदस्सिर मंसूरी द्वारा किया जा रहा है, जिंनसे कोई भी जायरीन चादर प्राप्त कर सकता है, बैठक के दौरान दरगाह कमेटी अध्यक्ष शराफत हुसैन फौजदार, सचिव जहूर हुसैन शोरघर, कोषाध्यक्ष आजाद मंसूरी, सुन्नत जमात के कोषाध्यक्ष इब्राहिम मंसूरी, पुर्व सदर सुन्नत जमात जाफर खान फौजदार, हाजी मुबारिक मंसूरी, पार्षद ताहिर अली शोरघर, सुन्नत जमात सह कोषाध्यक्ष सलीम हुसैन मंसूरी, मुस्लिम महासभा के फारुख पठान, इरफान मंसूरी, अय्यूब हुसैन शोरघर, मुस्तफा रंगरेज, जाकिर हुसैन शाह, सहित बड़ी संख्या में मेम्बरों ने हिस्सा लिया।

# बुलडाणा अर्बन व महाराष्ट्र बांबु फाउंडेशन जिले में स्थापित करेगा बांस उद्योग

**संवाददाता/अशफाक युसुफ**

**बुलडाणा।** महाराष्ट्र बैंबू प्रमोशन फाउंडेशन और बुलडाना अर्बन को-ऑप-क्रेडिट सोसाइटी के संयुक्त उद्यम के माध्यम से बुलडाना जिले में बांस उद्योग का एक नया युग शुरू हो रहा है। महाराष्ट्र बांबु प्रमोशन फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वी. गिरिराज भाप्रसे ने 7 सितंबर को बुलडाना अर्बन मुख्यालय का दौरा किया। इस अवसर पर बुलडाना अर्बन के संस्थापक अध्यक्ष राधेशमजी चांडक उपाख्या भाईजी ने शॉल और फूलों का गुलदस्ता देकर उनका

स्वागत किया। इस यात्रा में उभयंता, विदर्भ और मराठवाड़ा में बांस उद्योग का विकास कैसे किया जा सकता है? इस पर पक्ष-विपक्ष की चर्चा हुई। अधिक से अधिक संख्या में किसानों को बांस की खेती करने के लिए प्रोत्साहित करने और इसके लिए कौन सा पौधा लगाया जाए, इस पर भी चर्चा हुई। पश्चिमी देशों में बांस कैसे प्लास्टिक का विकल्प बनता जा रहा है, इस पर एक वीडियो दिखाया गया। बुलदाना जिले में बांस से बने उत्पादों की भी जानकारी दी गई। चंद्रपुर या त्रिपुरा में बांस से विभिन्न वस्तुओं को बनाने में प्रशिक्षित करने के लिए बुरुद समाज और सुतार समाज को अपने साथ ले जाने पर भी चर्चा हुई। बुलदाना अर्बन के संस्थापक अध्यक्ष राधेशम चांडक ने कहा कि बुलडाना अर्बन और महाराष्ट्र बांबु प्रमोशन फाउंडेशन संयुक्त रूप से बुलडाना जिले में बांस लगाने और किसानों को इसके लिए प्रेरित करने के लिए काम करेगा और जल्द ही बुलडाना में एक कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

# एक ही दिन मे 10 युनिट बल्ड डोनैसन करवा कर बचाई जान

**संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन**

**जोधपुर।** वाय एस एस बल्ड ग्रुप जोधपुर के अध्यक्ष नदीम बक्ष ने बताया की आज जोधपुर के एम्स हास्पिटल मे भर्ती मरीज ढोला खान गांव विडियो सांचोर का रहने वाले को बल्ड कैंसर की बिमारी के चलते 10 युनिट

रक्त की आवश्यकता होने पर वाय एस एस बल्ड ग्रुप के सक्रिय भूमिका निभाने वाले अशफाक हुसैन आफरीदी ने तुरंत रक्त दाताओ से संपर्क करके उनको जिम्मेदारी देते एम्स हास्पिटल मे पहुचंकर 10 युनिट रक्त के दान करवा कर मरीज को नई जिंदगी दी इन रक्त दाताओ ने किया अपना रक्त दान सलीम खान, रिजवान जाफरी, आतिक सैयद,भुवनेश्वर चोघरी, हिमांशु शर्मा, नारायण भाटी, मुकेश सेन,नसीमा बानो,शबाना खान, व टीम से अशफाक हुसैन आफरीदी, राम स्वरूप शर्मा, ताज मोहम्मद, जितेंद्र सागर, रईस बक्ष, फिरोज खान, मुजाहिद कुरेसी आमीन खान, माजिद खान, यह सभी रक्त दान मे साथ थे।

# पत्रकार संगठन कैराना के शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे वरिष्ठ पत्रकार मुशर्रफ सिद्दीकी

**संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन**

**कैराना।** शामली रोड स्थित अंबा मैरिज होम में पत्रकार संगठन कैराना के नवनियुक्त पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में वरिष्ठ पत्रकार मुशर्रफ सिद्दीकी पहुंचे। पत्रकार संगठन कैराना के नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। पत्रकार संगठन कैराना के एल्डर कमेटी के चेयरमैन मामचंद चौहान वे मुजफ्फरनगर मीडिया क्लब के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार मुशर्रफ सिद्दीकी ने संयुक्त रूप से पत्रकार संगठन कैराना के अध्यक्ष पद पर विनोद चौहान व उपाध्यक्ष पद पर मुनव्वर पंवार, महासचिव पद पर मेहरबान अली, सचिव पद पर दीपक बालान, कोषाध्यक्ष पद पर सुहेब अंसारी को शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे तहसीलदार प्रियंका जयसवाल, सीओ अमरदीप मौर्य, एसएसआई राधेश्याम, भाजपा वरिष्ठ नेता अनिल चौहान, पालिकाध्यक्ष अनवर हसन,

एसआई राहुल कादयान, एसआई बंटी सिंह का फूल मालाओं से जोरदार स्वागत किया गया। मंच का संचालन अंसार सिद्दीकी ने किया। पत्रकारों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं होगाः मुशर्रफ सिद्दीकी शपथ ग्रहण समारोह में संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार मुशर्रफ सिद्दीकी ने कहा पत्रकारों का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं होगा उन्होंने कहा में इस मंच से खुली चेतावनी देता हूं कि प्रशासन अगर किसी पत्रकार पर फर्जी मुकदमा लगाकर जेल भेजता है तो हम सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे। वहीं उन्होंने कहा राजनीतिक नेताओं के द्वारा भी कैराना में समाचार चलाने पर धमकियां मिलती है उन्होंने कहा वह अपना काम अपने तरीके से करें और पत्रकार को अपना काम करने दे। वरना सड़क से लेकर संसद तक हम हर पत्रकार की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं। वहीं उन्होंने कहा पत्रकार भी अपनी गरिमा में रहकर कार्य करें पत्रकारिता की गरिमा को गिराने का कार्य ना करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

# रात भर सोने नहीं देता कमर का दर्द तो अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

**अक्सर लोग सोचते हैं कि कमर दर्द का कारण बढ़ती उम्र है लेकिन ऐसा जरूरी नहीं। कई बार गलत तरीके से उठने-बैठने, चोट,खान-पान में गड़बड़ी,गर्भावस्था या फिर और भी बहुत कारणों से कमर में दर्द हो सकता है। कमर दर्द में पीठ की मांसपेशियों में खिचाव, स्नायुओं में अकड़न. और तेज दर्द महसूस होता है। कभी-कभी यह दर्द नितंबों से पैरों तक भी पहुंच जाती है। एक जगह पर ही बैठे रहने से दिक्कत पहले से भी ज्यादा बढ़ सकती है। कोशिश करें कि हल्का-फुल्का काम करते रहें लेकिन शारीरिक गतिविधियों के बिल्कुल बंद भी न करें। कई बार सर्दी के कारण भी यह समस्या होने लगती है ऐसे में खुद को ठंड से बचाकर रखें।**

**क्यों होती है कमर दर्द**

कमर मांसपेशियों,डिस्क,नसों और हड्डियों की जटिल संरचना है। इन घटकों में से किसी के साथ होने वाली समस्या से पीठ में दर्द होने लगता है। कई बार कमर में होने वाले दर्द के कारण पता लगाना मुश्किल हो जाता है। सामान्य से लेकर इसके गंभीर कारण भी हो सकते हैं।

**किन लोगों को होती हैं इसकी अधिक समस्या**

ज्यादा तर 45- 50 साल की उम्र के लोगों, शरीरिक कमजोरी,शरीर में विटामिन डी और कैल्शियम की कमी से जूझ रहे लोगों में यह परेशानी होती है। अगर छोटी उम्र या फिर शरीर की किसी अंदरूनी समस्या के कारण अक्सर दर्द बना रहता है तो डॉक्टर के साथ संपर्क करके इसके कारण को जरूर जांचे। इसके अलावा भी इसके बहुत से कारण हो सकते हैं।

- रीढ़ की हड्डी में ट्यूमर
- गुर्दे में सक्रमण
- भारी सामान उठाना
- जरूरत से ज्यादा काम करना
- बढ़ता वजन
- ऊंची एड़ी के सैंडल पहनना
- अचानक से झटके के साथ झुकना, आदि।

प्रैंग्नेंसी के बाद क्यों रहता है कमर में दर्द

बच्चे को जन्म देने के बाद अक्सर महिलाएं कमर में दर्द होने की शिकायत करती हैं।

गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय का आकार बड़ा हो जाता है। इस कारण मांसपेशियों में खिंचाव पैदा होता है, जिससे डिलीवरी के बाद यह खिंचाव ढीलेपन में बदल जाता है। जो कमर में दर्द का कारण बनता है। इसके अलावा हार्मोन में आया बदलाव और कमजोरी भी इसकी वजह हो सकती है।

**कमर दर्द को कम करने के घरेलू उपाय**

1. शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरी करने के लिए डेयरी प्रॉडक्ट और कैल्शियम से भरपूर आहार खाएं। रोजाना 2 गिलास दूध जरूर पीएं। इसके अलावा हड्डियों की कमजोरी कमर दर्द का सबसे बड़ा कारण हैं हड्डियों की कमजोरी को दूर करने के लिए रोज सुबह की धुप में 25 से 30 मिनट तक बैठे।

2. लहसुन के एंटीसैप्टिक गुण दर्द को कम करने में बेहद लाभकारी है। एक जार में 400 ग्राम लहसुन को बारीक काटकर इसमें 1 लीटर कच्चे सूरजमुखी का तेल डालकर बर्तन को अच्छे से बंद कर दें। इस बात का ध्यान रखें कि इस जार पर धूप न पड़े और लगातार 15 दिनों तक इसे हिलाते रहें। इसके बाद छान कर इस तेल को निकाल लें और लगातार 60 दिनों तक इस तेल की रोजाना सुबह शाम मालिश करने से कमर दर्द ठीक हो जाता हैं।

3. कमर में लगातार अकडन.बनी रहती है तो गुनगुने पानी में सेंधा नमक डाल कर नहाएं। इससे बहुत आराम मिलेगा।

4. तवे पर अजवाइन को हल्का-सा भून लें फिर इसे चबाकर खाएं। इससे भी कमर दर्द धीरे-धीरे ठीक हो जाता है।

5. सर्दी के कारण कमर का दर्द सता रहा है तो एक सूखी अंजीर,एक सूखी खुबानी और पांच सूखे आलूबुखारे रात को सोने से पहले चबाकर खाएं। इस उपाय से कमर का दर्द कुछ ही दिनों में ठीक हो जाएगा।

6. कमर दर्द में आराम पाने के लिए एक चम्मच शहद में दालचीनी पाउडर की एक ग्राम मात्रा मिलाकर सुबह शाम दिन में दो बार खाएं। इससे काफी आराम मिलेगा।

7. गर्म पानी की सिकाई करने से भी दर्द से जल्द राहत मिलती है।

अगर आपको लगातार कमर दर्द की शिकायत रहती हैं तो इसे बिल्कुल भी नजरअंदाज न करें। यह किसी गंभीर बीमारी का भी संकेत हो सकता है। एक बार डॉक्टरी जांच जरूर करवाएं।

# पुरुषों को भी पता होनी चाहिए मॉइश्चराइजर से जुड़ी कुछ बातें

लड़कियां हो या फिर लड़के हर कोई चाहता है कि उनकी स्किन परफैक्ट होनी चाहिए। औरतों के मुकाबले पुरुषों की त्वचा ज्यादा सख्त होती है इसलिए उन्हें केयर की भी ज्यादा जरूरत होती है। बाहरी वातावरण की गंदगी से त्वचा को बचाए रखने के लिए स्किन को समय-समय मॉइश्चराइज करना बहुत जरूरी होता है। पुरुष अगर पहले से ही किसी मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करते हैं तो पहले कुछ बातों के बारे में जान लेना बहुत जरूरी है।

**1. त्वचा के अनुसार हो मॉइश्चराइजर**

हर किसी की स्किन एक जैसी नहीं होती। कुछ लोग ऑयली तो कुछ रूखेपन से परेशान होते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि आप कोई भी मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल कर लें। अपनी त्वचा के हिसाब से ही मॉइश्चराइजर लगाएं। इससे आपको बहुत फायदा मिलेगा। आजकल बाजार में मैन स्पैशल बहुत से मॉइश्चराइजर बाजार में आसानी से मिल जाते हैं।

**2. मॉइश्चराइजर करता है त्वचा को सुरक्षित**

मॉइश्चराइजर आपकी स्किन को बाहरी रूप से सुरक्षा देता है लेकिन इसे अंदरूनी रूप से तंदुरूस्त बनाए रखना भी बहुत जरूरी है। दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी का सेवन जरूर करें। इससे त्वचा में नैचुरल नमी आनी शुरू हो जाएगी।

**3. रात के समय जरूर लगाएं मॉइश्चराइजर**

कुछ लोगों का मानना है कि सिर्फ घर से बाहर निकलते समय ही मॉइश्चराइजर लगाना जरूरी होता है लेकिन रात के समय भी इसे अप्लाई करने से फायदा मिलता है।

**4. शेविंग के बाद हमेशा लगाएं मॉइश्चराइजर**

कुछ पुरुषों को रोजाना शेविंग करने की जरूरत पड़ती है। इससे त्वचा में रूखापन आना आम बात है। इसे दूर करने के लिए मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं।

**5. एसपीएफ युक्त होना चाहिए मॉइश्चराइजर**

मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करने से पहले इस बात की जांच जरूर कर लें कि यह एसपीएफ युक्त जरूर हो।

# मोटापे से छुटकारा पाने के लिए अपनाएं एक्यूप्रेशर तकनीक

मोटापे से परेशान लोग वजन घटाने के लिए व्यायाम, योगा, खाने पर कंट्रोल क्या कुछ करते हैं। कुछ लोग जिम जा कर घंटो एक्सरसाइज करके पसीना बहाते हैं। कई बार ज्यादा देर जिम करने से कई तरह की शरीरिक प्रॉब्लम भी शुरू हो जाती है। ऐसे में वजन घटाने के लिए आप एक्यूप्रेशर तकनीक को भी अपना सकते हैं। यह एक ऐसी तकनीक है जिसमें शरीर के बिंदुओं को दबाना होता हैं। जिससे आपको भूख कम लगेगी और आपके वजन पर भी कंट्रोल होगा। मानव शरीर पर ऐसे बिंदु होते है जिसे दबाने से कई रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है और मोटापे को भी कम किया जा सकता है।

**1. कान**

कान के पास के बिंदु को दबाने से भूख पर कंट्रोल होता है और जरूरत से ज्यादा खाने की आदत से छुटकारा होता हैं। एक्यूप्रेशर तकनीक अपनाते हुए कान के पास फ्लैप हिस्से को दो से तीन मिनट तक दबाना होगा। वैसे तो आप इस तकनीक को सुबह या शाम किसी भी वक्त अपना सकते हैं, लेकिन सुबह के समय इस हिस्से को दबाना ज्यादा बढ़िया रहेगा।

**2. हाथ**

हथेलियों पर इस तकनीक को अपनाने के लिए अंगूठे के पास वाले उभरे हिस्से को प्रतिदिन दो मिनट तक दबाना होगा। इसे दबाने

से आपका डाइजेशन इंप्रूव होगा और बहुत ही तेजी से वजन घटना शुरू होगा।

**3. पैर**

पैर पर इस तकनीक को अप्लाई करने के लिए एंकल प्वांइट मतलब एड़ी के ऊपर वाले हिस्से की हड्डी के पीछे की ओर यहां पर खत्म होती है। उसे अपने हाथ की उंगली और अंगूठे से दबाने से भूख पर कंट्रोल होगा जिससे वजन भी कम होगा।

**4. पेट**

अगर आप पेट के मोटापे से परेशान है तो आप अपनी नाभि से ठीक नीचे के हिस्से पर दोनों हाथ की दो-दो उंगलियों से कुछ मिनट तक प्रेशर दें। ऐसा करने से आपका डाइजेशन सुधरेगा और आपका मोटापा कम होगा।

**5. कोहनी**

मोटापे पर काबू पाने के लिए आप अपनी कोहनी के जोड़ ऊपरी हिस्से को पांच से सात मिनट तक दबाएं। इस प्रक्रिया को आप दोनो साइड दोहरा सकते हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

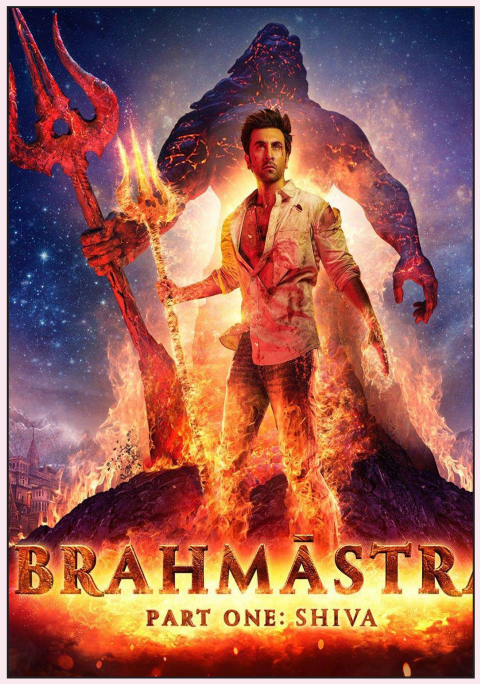


# करीना ने भाई रणबीर की फिल्म ब्रह्मास्त्र पर दी प्रतिक्रिया

**इस** साल की मोस्ट अवेटेड फिल्म ब्रह्मस्त्र अब दर्शकों के सामने आखिर आ ही गया हैं। वही फिल्म के शुरूआती रुझान काफी अच्छे देखने को मिल रहे हैं। इस फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेशन देखने के बाद सबका यही कहना हैं की बॉलीवुड एक बार से वापसी कर लिया हैं। वही इस फिल्म की तारीफ सिर्फ जनता ही नहीं कर रही,बल्कि कई बॉलीवुड के सेलेब्स भी फिल्म देख कर आने के बाद अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। जिनमे बॉलीवुड की बेबो करीना कपूर भी शामिल हैं। जहां करीना ने अपनी भाई रणबीर की फिल्म ब्रह्मास्त्र की तारीफ करते हुए कुछ ऐसी बात कह डाली। दरअसल हाल ही में करीना अपने पति सैफ अली खान और बेटे तैमूर के साथ फिल्म की स्क्रीनिंग पर गई थीं। अब फिल्म देखने के बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर कर पूरी टीम की तारीफ की है।करीना ने अपने पोस्ट में लिखा, अनबीलिबेबल एक्सपीरियंस! पूरी टीम को बधाई। इसी के साथ उन्होंने ताली बजाने वाला इमोजी भी शेयर किया है। साथ ही उन्होंने इस फिल्म को 5-स्टार भी दिए हैं। करीना ने अपने पोस्ट में आलिया भट्ट, डायरेक्टर अयान मुखर्जी, करण जौहर, अपूर्व मेहता और धर्मा प्रोडक्शंस को टैग भी किया है। करीना से पहले ऋतिक रोशन ने भी 'ब्रह्मास्त्र' का रिव्यू किया था। ऋतिक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर लिखा था, 'मेरे अंदर बसे फिल्म स्टूडेंट को फिर से 'ब्रह्मास्त्र' देखने की जरूरत है! एक्शन, ग्रेडिंग, बीजीएम, वीएफएक्स, साउंड डिजाइन उफ... बिल्कुल अविश्वसनीय काम। बहुत अच्छा। मैंने इसे खूब एंजॉय किया। फिल्म की टीम को मेरी तरफ से बधाई।

# शाहरुख ने खराब की स्वरा भास्कर की लव लाइफ

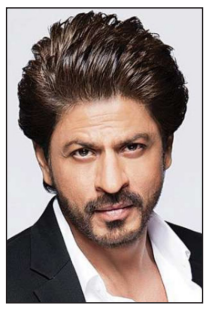

**फिल्म** के प्रमोशन के दौरान स्वरा भास्कर ने शाहरुख खान और आदित्य चोपड़ा पर उनकी लव लाइफ खराब करने का आरोप लगाया है। दरअसल, हाल ही में स्वरा भास्कर ने फिल्म जहां चार यार के प्रमोशन के दौरान मीडिया से खुलकर बात की। इस दौरान लव लाइफ को लेकर पूछे गए एक सवाल पर अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म मेकर आदित्य चोपड़ा और बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे ने उनकी लव लाइफ खराब कर दी। स्वरा भास्कर ने सवाल के जवाब में कहा, मैं आदित्य चोपड़ा सर और शाहरुख खान पर मेरी लव लाइफ खराब करने का आरोप लगाती हूं। क्योंकि मैंने दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे टीन ऐज में देखी थी और उसके बाद से ही मैं अपने राज को ढूंढ रही, जो शाहरुख जैसा दिखे। लेकिन राज।' बता दे कि शाहरुख खान की फिल्म दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे में एक्ट्रेस काजोल लीड रोल में है। स्वरा ने आगे कहा, मुझे कई साल बाद इस बात का अहसास हुआ कि राज तो हकीकत में है ही नहीं। मुझे नहीं लगता कि मैं रिलेशनशिप्स में काफी अच्छी हूं। वहीं पूजा ने बातचीत के दौरान कहा, स्वरा सिंगल है और रिलेशनशिप के लिए तैयार है। इस पर स्वरा ने आगे कहा, मेरा हो चुका है, मैं अब और रिलेशनशिप्स नहीं कर सकती। मुझ में ताकत नहीं। सिंगल लाइफ मुश्किल होती है।

# फिल्ममेकर मधुर भंडारकर ने खोला दिल का राज

**कई** सारे सेलेब्स और जानी मानी हस्तियां 'द कपिल शर्मा शो' के तीसरे सीजन में बतौर गेस्ट आने वाले है। इनमें से ही मशहूर और पॉपुलर फिल्ममेकर मधुर भंडारकर का नाम भी शामिल है। मधुर भंडारकर के साथ इस एपिसोड में एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया फिल्म 'बबली बाउंसर' का प्रमोशन करने आने वाली है। इस एपिसोड के दौरान मधुर भंडारकर ने एक ऐसी बात बोली जिससे अब कपिल के फैंस बेशक काफी खुश होने वाले है। 'द कपिल शर्मा शो' के तीसरे सीजन का पहला वीकेंड काफी एंटरटेनिंग होने वाला है। शो में गेस्ट बनकर पहुंचे मधुर भंडारकर ने कॉमेडियन कपिल शर्मा पर बायोपिक बनाने की बात बोली है। मधुर भंडारकर ने कहा, मुझे लगता है कि आप पर एक बायोपिक बननी चाहिए। मैं इसे बनाने के बारे में सोच रहा हूं। अगर कपिल पर बायोपिक बनेगी, तो मुझे लगता है कि मैं इसे बनाऊंगा।' मधुर भंडारकर की इन बातों को सुनकर बेशक कपिल के फैंस की एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर पहुंच गई होगी। मधुर भंडारकर ने यह भी कहा कि कपिल की बायोपिक फिल्म एक खुलासा करने वाली अच्छी कहानी होगी, जिसमें कई सारे खुलासे होंगे।